ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

7 January 2025

अकेलेपन पर नया अध्ययन

सन्दर्भ: हाल ही में किए गए एक अध्ययन में अकेलेपन और सामाजिक अलगाव को शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं, विशेष रूप से बीमारियों और मृत्यु दर से जोड़ा गया है। नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित इस अध्ययन का शीर्षक श्सामाजिक अलगाव और अकेलेपन के प्लाज्मा प्रोटिओमिक हस्ताक्षर रुग्णता और मृत्यु दर से जुड़े हैं है।

- अध्ययन से पता चलता है कि अकेलापन और सामाजिक अलगाव रक्त में कुछ प्रोटीन के स्तर को प्रभावित करते हैं, जो कई गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों से जुड़े हैं। यह अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक अलगाव केवल एक मनोवैज्ञानिक मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके जैविक प्रभाव भी हैं जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

- **प्रोटिओमिक विश्लेषण:** शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से 40-69 वर्ष की आयु के 42,000 से अधिक वयस्कों के रक्त के नमूनों का विश्लेषण किया। उन्होंने अकेलेपन या सामाजिक अलगाव की रिपोर्ट करने वाले व्यक्तियों के रक्त में प्रोटीन के स्तर की तुलना उन लोगों से की जोकि इन स्थितियों की रिपोर्ट नहीं करते हैं।
- **सामाजिक अलगाव और अकेलेपन का प्रोटीन स्तर पर प्रभाव:** अध्ययन में पाया गया कि 9.3% प्रतिभागियों ने सामाजिक अलगाव की बात कही, जबकि 6.4% ने अकेलेपन की बात कही। इन व्यक्तियों ने अलग-अलग प्रोटीन प्रोफाइल प्रदर्शित किए, जिनमें से लगभग 85% प्रोटीन अकेलेपन से जुड़े थे।
- **स्वास्थ्य जोखिम से जुड़े प्रोटीन:** अकेलेपन या सामाजिक अलगाव का अनुभव करने वाले लोगों में प्रोटीन का उच्च स्तर पाया गया। ये प्रोटीन सूजन, वायरल संक्रमण, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, हृदय संबंधी बीमारियों, टाइप 2 मधुमेह और यहां तक कि समय से पहले मृत्यु से भी जुड़े हैं।
- **पहचाने गए प्रमुख प्रोटीन:**
  - **एडीएम (एड्रेनोमेडुलिन):** अकेले व्यक्तियों में एडीएम का स्तर बढ़ा हुआ पाया जाता है। एडीएम एक तनाव हार्मोन है और यह श्लव हार्मोनश ऑक्सीटोसिन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तनाव कम करने और मूड बेहतर बनाने में मदद करता है।
  - **एएसजीआर1:** अकेले व्यक्तियों में एएसजीआर1 (एशियलोग्लाइकोप्रोटीन 1) का स्तर उच्च होता है। उच्च स्तर का एएसजीआर1 उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है।
  - **अन्य प्रोटीन:** अध्ययन में अन्य प्रोटीनों की भी पहचान की गई है जो इंसुलिन प्रतिरोध, कैंसर की प्रगति और अन्य स्वास्थ्य स्थितियों में योगदान करते हैं।
- **सूजन और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की भूमिका:** शरीर में कुछ खास तरह के प्रोटीन होते हैं जोकि सूजन पैदा करते हैं। जब यह सूजन लंबे समय तक रहती है, तो यह हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है और हमें कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि दिल की बीमारी और स्ट्रोक।

अकेलेपन के स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- **हृदय संबंधी जोखिम:** एशियलोग्लाइकोप्रोटीन 1 (Asialoglycoprotein Receptor) का बढ़ा हुआ स्तर हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को बढ़ाता है, जिससे अलग-थलग रहने वाले व्यक्ति हृदय संबंधी समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।
- **मानसिक और शारीरिक तनाव:** एडीएम जैसे प्रोटीन संकेत देते हैं कि अकेलापन तनाव विनियमन को बाधित करता है, जोकि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है।
- **दीर्घकालिक स्थितियां:** प्रोटीन का बढ़ा हुआ स्तर टाइप 2 मधुमेह और कैंसर जैसी स्थितियों से जुड़ा हुआ है, जोकि दर्शाता है कि सामाजिक अलगाव किस प्रकार रोगों की प्रगति को तेज करता है।

सिफारिशें और भविष्य के निर्देश:

- **जागरूकता बढ़ाना:** अकेलेपन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पेशेवरों को अपनी देखभाल के हिस्से के रूप में सामाजिक अलगाव को संबोधित करना चाहिए।
- **नीति और सामुदायिक कार्रवाई:** सरकारों को विशेष रूप से बुजुर्गों और कमजोर आबादी के बीच अलगाव को कम करने के लिए समावेशी समुदायों और सामाजिक पहल को बढ़ावा देना चाहिए।
- **समग्र स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केन्द्रित करें:** स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को दीर्घकालिक रोगों के निदान और उपचार के समय अकेलेपन सहित सामाजिक कारकों पर विचार करना चाहिए तथा उपचार प्रक्रिया के भाग के रूप में सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- **तकनीकी समाधान:** एआई और प्रोटिओमिक्स जैसी उन्नत तकनीकों से सामाजिक अलगाव को विशिष्ट बीमारियों से जोड़ने वाले बायोमार्कर्रों की पहचान की जा सकती है। इससे अकेलेपन से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को समझने और उनके उपचार के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है।

अरुणाचल प्रदेश में 1978 का धर्मांतरण विरोधी कानून बहाल

सन्दर्भ: हाल ही में अरुणाचल प्रदेश ने 1978 के धार्मिक स्वतंत्रता

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

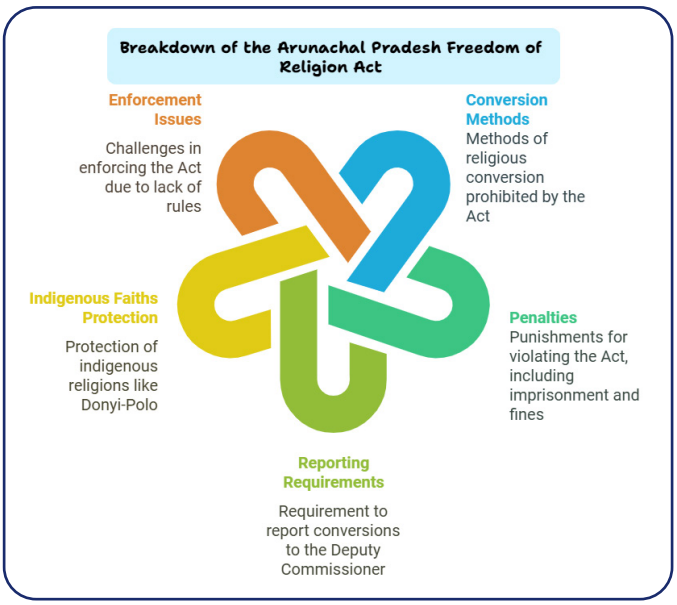
7 January 2025

अधिनियम को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह अधिनियम, हालांकि वर्षों से अस्तित्व में है, लेकिन अभी तक प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया था। राज्य सरकार अब इस अधिनियम को लागू करने के लिए आवश्यक नियमों का निर्माण कर रही है।

- यह अधिनियम, जो बलपूर्वक या धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन को प्रतिबंधित करता है, स्वदेशी धर्मों की रक्षा करने के उद्देश्य से बनाया गया था। हालांकि, इसके कार्यान्वयन को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। विशेष रूप से, इस अधिनियम के धार्मिक स्वतंत्रता पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों और इसकी संवैधानिक वैधता को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम क्या है?

- 1978 में पारित यह अधिनियम किसी व्यक्ति को बलपूर्वक, प्रलोभन देकर या धोखाधड़ी करके दूसरे धर्म में परिवर्तित करना अवैध बनाता है, जिसके लिए दो साल तक की कैद और 10,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। यह अनिवार्य करता है कि किसी भी धर्म परिवर्तन की सूचना जिले के उपायुक्त को दी जानी चाहिए।
- इस कानून का उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश में कई आदिवासी समुदायों द्वारा प्रचलित डोनी-पोलो (प्रकृति पूजा) जैसे स्वदेशी धर्मों की रक्षा करना है। हालाँकि, इसके प्रवर्तन के लिए नियमों की कमी के कारण यह अधिनियम वर्षों से निष्क्रिय पड़ा हुआ है।



यह अधिनियम क्यों लाया गया?

- अरुणाचल प्रदेश, विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों वाला एक राज्य है, जिसने हाल के वर्षों में धार्मिक परिवर्तन, विशेष रूप से ईसाई धर्म में वृद्धि देखी है। 1950 के दशक से पहले, चुनौतीपूर्ण भूगोल और औपनिवेशिक प्रतिबंधों के कारण ईसाई धर्म का प्रभाव सीमित था।
- 1970 के दशक के बाद, ईसाई मिशनरी गतिविधियों में वृद्धि हुई, विशेष रूप से असम के सीमावर्ती क्षेत्रों में, जिसके परिणामस्वरूप आदिवासी समुदायों, जैसे कि आदि, न्याशी और नोक्टेस, में ईसाई धर्म का प्रसार हुआ। इस परिवर्तन ने आदिवासी समुदायों में पारंपरिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों के क्षरण की चिंताएं पैदा कीं।

यह अधिनियम निष्क्रिय क्यों रहा?

- इस अधिनियम को विशेष रूप से ईसाई समुदाय से काफी विरोध का सामना करना पड़ा है। अरुणाचल क्रिश्चियन फोरम ने इस कानून की आलोचना करते हुए दावा किया है कि यह धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव कर सकता है और समुदायों के बीच तनाव को बढ़ा सकता है। नतीजतन, धार्मिक मतभेदों के बढ़ने की आशंका के चलते लगातार राज्य सरकारों ने इस कानून को लागू करने से परहेज किया।

अधिनियम का पुनरुद्धार:

- अधिनियम का पुनरुद्धार 2022 की एक जनहित याचिका के बाद हुआ है, जिसमें सरकार द्वारा कानून को लागू करने में विफलता को उजागर किया गया था। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने राज्य से नियमों को अंतिम रूप देने का आग्रह किया, जिसकी अपेक्षित समय सीमा छह महीने है।
- अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी आस्था और सांस्कृतिक समाज (IFCSAP) की माया मुर्तेम जैसे समर्थकों का तर्क है कि बढ़ते धर्मांतरण के बीच स्वदेशी संस्कृतियों की रक्षा के लिए कानून आवश्यक है, कुछ जिलों में धर्मांतरण दर 90% तक देखी गई है।

चिंताएं:

- इस कानून के लागू होने से संभावित धार्मिक तनाव की चिंता बढ़ गई है, विशेषकर यह देखते हुए कि राज्य की आबादी में अब ईसाईयों की संख्या करीब 30% है। आलोचकों का तर्क है कि स्थानीय अधिकारियों द्वारा कानून का दुरुपयोग किया जा सकता है, जिससे ईसाईयों को निशाना बनाया जा सकता है और धार्मिक विभाजन और भी बढ़ सकता है। जबकि इस कानून का उद्देश्य स्वदेशी धर्मों की रक्षा करना है, कुछ लोगों को डर है कि यह स्वतंत्र रूप से अपना धर्म चुनने के व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है, जिससे धार्मिक विशिष्टता को संस्थागत रूप दिया जा सकता है।

अफगानिस्तान पर हवाई हमलों की निंदा

सन्दर्भ: हाल ही में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों की भारत ने कड़ी निंदा की है। 24 दिसंबर, 2024 को पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में हुए हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना को अफगानिस्तान के

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

नागरिकों के लिए एक बड़ा झटका बताया है। इन हमलों में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, जिससे बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए हैं। यह घटना क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है।

पाकिस्तान द्वारा बताए गए हवाई हमलों के पीछे के कारण:

- **सीमा पार उग्रवाद और विद्रोह:** पाकिस्तान के हवाई हमले मुख्य रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे विद्रोही समूहों को निशाना बनाकर किए गए हैं। ये समूह अफगानिस्तान के क्षेत्र का उपयोग पाकिस्तान के खिलाफ हमलों की योजना बनाने और अंजाम देने के लिए एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में करते हैं।
- **आतंकवादियों को कथित अफगान समर्थन पर प्रतिक्रिया:** पाकिस्तान अफगानिस्तान, विशेष रूप से तालिबान शासन पर पाकिस्तान के प्रति शत्रुतापूर्ण आतंकवादी समूहों का समर्थन करने या उन्हें सहन करने का आरोप लगाता है। ये आरोप दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ाते हैं।
- **पाकिस्तान में आंतरिक राजनीतिक कारक:** पाकिस्तान को बढ़ते उग्रवाद और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, खासकर इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में। सेना नियंत्रण स्थापित करने और आतंकवादी संघर्षों से संबंधित घरेलू राजनीतिक दबावों को दूर करने के लिए निर्णायक कार्रवाई दिखाने के लिए हवाई हमलों का उपयोग कर सकती है।



- **क्षेत्रीय भू-राजनीतिक गतिशीलता:** पाकिस्तान की कार्रवाइयां व्यापक भू-राजनीतिक कारकों से प्रभावित होती हैं, जिसमें भारत के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध और अफगानिस्तान में उसके रणनीतिक हित शामिल हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान में प्रभाव बनाए रखना चाहता है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ती है।
- **ऐतिहासिक तनाव में वृद्धि:** पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध दशकों से तनावपूर्ण रहे हैं। 2021 में तालिबान के उदय ने संघर्ष को और बढ़ा दिया है, दोनों देश क्षेत्र की अस्थिरता के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराते हैं।

भारत पर हवाई हमले के प्रभाव:

- **क्षेत्रीय अस्थिरता:** पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। अफगानिस्तान में कोई भी अस्थिरता भारत के रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकती है, विशेषकर देश में उसके निवेश और प्रभाव के मामले में।
- **सुरक्षा चिंताएं:** पाकिस्तान की निरंतर सैन्य कार्रवाइयाँ तथा क्षेत्र में उग्रवादी समूहों को उसका समर्थन, जिनमें भारत को निशाना बनाने वाले समूह भी शामिल हैं, भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा सकता है, विशेष रूप से इसके सीमावर्ती क्षेत्रों तथा जम्मू-कश्मीर में, जहां सीमापार उग्रवाद एक खतरा बना हुआ है।
- **भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता:** अफगानिस्तान में पाकिस्तान के बढ़ते हस्तक्षेप और भारत के साथ उसके बढ़ते तनाव के कारण, दक्षिण एशिया में व्यापक भू-राजनीतिक गतिशीलता तीव्र हो सकती है। अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंध, विशेष रूप से तालिबान के उदय के मद्देनजर, पाकिस्तान की कार्रवाइयों से और भी जटिल हो सकते हैं।
- **सामरिक गठबंधन:** हवाई हमलों पर भारत की प्रतिक्रिया उसके कूटनीतिक गठबंधनों को प्रभावित कर सकती है। जैसे-जैसे क्षेत्र को अस्थिर करने में पाकिस्तान की भूमिका बढ़ती जा रही है, भारत पाकिस्तान के प्रभाव को संतुलित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान और क्षेत्रीय सहयोगियों जैसे देशों के साथ अपनी सामरिक साझेदारी को मजबूत कर सकता है।
- **शांति प्रयासों पर प्रभाव:** पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष और हवाई हमले क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के प्रयासों में बाधा डालते हैं, जिससे शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने सहित दक्षिण एशिया में भारत के व्यापक उद्देश्य प्रभावित होते हैं।

जयशंकर की अमेरिकी एनएसए से मुलाकात

सन्दर्भ: हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात की और महत्वपूर्ण रणनीतिक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक सुलिवन की दो दिवसीय भारत यात्रा का हिस्सा है। अमेरिकी विदेश मंत्री सुलिवन संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से पहले बिडेन प्रशासन के हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों को पूरा कर रहे हैं।

बैठक के मुख्य बिंदु:

- इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रारंभ की गई महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भारत-अमेरिका पहल (आईसीईटी) की प्रगति का आकलन करना था।

- जयशंकर और सुलिवन दोनों ने आईसीईटी पहल की प्रगति पर चर्चा की, जिसमें अंतरिक्ष, रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बायोटेक्नोलॉजी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर भी अंतर्दृष्टि साझा की, जिनसे द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।



आईसीईटी क्या है?

- महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भारत-अमेरिका पहल (आईसीईटी) एक रणनीतिक सहयोग है जिसका उद्देश्य भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच नवाचार को बढ़ावा देना और तकनीकी साझेदारी को मजबूत करना है।
- मई 2022 में घोषित और जनवरी 2023 में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया, आईसीईटी दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों (एनएससी) द्वारा चलाया जा रहा है। यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और वायरलेस दूरसंचार जैसे उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग पर जोर देती है।

आईसीईटी के फोकस क्षेत्र:

आईसीईटी ने सहयोग के छह प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें शामिल हैं:

- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई):** दोनों देशों के अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर एआई प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाना।
- **रक्षा:** सह-विकास, सह-उत्पादन और रक्षा स्टार्टअप को बढ़ावा देकर रक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाना।
- **नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र:** सहकारी ढांचे और पहलों का निर्माण करके नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।
- **सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र:** आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों में सेमीकंडक्टर उद्योगों के विकास का समर्थन करना।
- **मानव अंतरिक्ष उड़ान:** अंतरिक्ष अन्वेषण और संबंधित प्रौद्योगिकियों पर सहयोगात्मक प्रयास।
- **5G और 6G प्रौद्योगिकियां:** ओपनआरएएन जैसी अत्याधुनिक वायरलेस प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सहायता करना, जो रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) प्रणाली का एक गैर-स्वामित्व वाला संस्करण है और विभिन्न विक्रेताओं के उपकरणों के बीच अंतर-संचालन की अनुमति देता है।

बैठक का महत्व:

- आईसीईटी के तहत स्थापित रणनीतिक और तकनीकी साझेदारी के मद्देनजर, दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल ने रक्षा नवाचार, सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में पहले ही उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। चर्चाओं में उभरती प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बने रहने के महत्व को रेखांकित किया गया, जिसमें दोनों सरकारों ने निजी क्षेत्र की नवाचारक पहलों को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया।

पॉवर पैक्ड न्यूज

ई-नीलामी पोर्टल 'बैंकनेट'

- सरकार ने 3 जनवरी को 'बैंकनेट' नामक संशोधित पोर्टल लॉन्च किया, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए संपत्तियों की ई-नीलामी को सरल और पारदर्शी बनाएगा। यह पोर्टल खरीदारों और निवेशकों को विभिन्न संपत्तियों में भाग लेने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद करेगा। वर्तमान में, 1,22,000 से अधिक संपत्तियों की लिस्टिंग पोर्टल पर की गई है। इसमें आवासीय संपत्तियां, वाणिज्यिक और औद्योगिक भूमि, वाहन, संयंत्र और मशीनरी शामिल हैं।
- यह पहल पीएसबी की बैलेंस शीट में सुधार करेगी और व्यवसायों व व्यक्तियों के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाएगी। यह पोर्टल सुधार प्रक्रिया को गति देगा, जिससे बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में कमी आएगी। 'बैंकनेट' से डिजिटल लेनदेन और वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

7 January 2025

मेडिकल टेक्सटाइल गुणवत्ता नियंत्रण आदेश 2024



- केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने मेडिकल टेक्सटाइल गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, 2024 जारी किया है, जिसका उद्देश्य मेडिकल टेक्सटाइल की प्रभावशीलता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आदेश में सख्त गुणवत्ता मानदंड, लेबलिंग विनिर्देश और परीक्षण प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं।
- छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) को अनुपालन के लिए 1 अप्रैल 2025 तक विस्तार दिया गया है।
- इसके अलावा, निर्माताओं और आयातकों को अपनी विरासत सूची समाप्त करने के लिए छह महीने की संक्रमण अवधि दी गई है, जो 30 जून को समाप्त होगी। यह कदम गुणवत्ता मानकों को न्यूनतम व्यवधान के साथ लागू करने में मदद करेगा।
- यह आदेश चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा और मरीजों की देखभाल में सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

यूपीआई मार्केट कैप की समयसीमा 2026 तक बढ़ी

- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने थर्ड-पार्टी यूपीआई ऐप्स के लिए 30% वॉल्यूम कैप की समयसीमा 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी है। यह तीसरी बार है जब यह समयसीमा बढ़ाई गई है। नवंबर 2020 में पहली बार वॉल्यूम कैप की सीमा तय की गई थी।
- वर्तमान में, फोनपे और गूगल पे जैसे ऐप्स यूपीआई लेनदेन के 80% हिस्से को नियंत्रित करते हैं।
- रोलिंग आधार पर पिछले तीन महीनों के लेनदेन के आधार पर सीमा तय होगी। एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे के लिए उपयोगकर्ता सीमा हटा दी है, जिससे वह अब अपने पूरे उपयोगकर्ता आधार को यूपीआई सेवाएं दे सकता है। यह विस्तार यूपीआई के व्यापक और संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करेगा।

भारत के पहले 'जेनरेशन बीटा' बच्चे का जन्म



- भारत में पहले 'जेनरेशन बीटा' बच्चे का जन्म मिजोरम के आइजोल में 1 जनवरी को सिनॉड अस्पताल में हुआ। इस बच्चे का नाम फ्रेंकी रेम्रुअटडिका जेडेंग रखा गया है। भविष्यवादी मार्क मैकक्रिंडल के अनुसार, 2025 से 2039 के बीच जन्म लेने वाले बच्चों को 'जेन बीटा' कहा जाएगा।
- यह पीढ़ी मिलेनियल्स (Gen Y) और पुरानी Gen Z की संतानें होंगी और डिजिटल तथा भौतिक दुनिया के सहज एकीकरण का अनुभव करेगी।
- अनुमान है कि 2025 तक यह पीढ़ी वैश्विक आबादी का 16% होगी। तकनीकी प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस पीढ़ी के जीवन को गहराई से प्रभावित करेंगे।

गोल्डन ग्लोब्स 2025 के विजेता

- 5 जनवरी को लॉस एंजिल्स में आयोजित 82वें गोल्डन ग्लोब्स समारोह में कई उल्लेखनीय फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। 'शोगुन' ने चार पुरस्कार जीते, जिसमें सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज और प्रमुख अभिनेता व अभिनेत्री शामिल हैं।
- 'द ब्रूटलिस्ट' फिल्म को सात नामांकन मिले और एड्रियन ब्रॉडी ने इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (ड्रामा) का पुरस्कार जीता। पामेला एंडरसन को 'द लास्ट शोगर्ल' में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।
- 'फ्लो' ने एनिमेटेड मोशन पिक्चर श्रेणी में पुरस्कार जीता, जबकि 'एल माल' को सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का सम्मान मिला।

केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का कार्यान्वयन

- ईपीएफओ ने केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को पूरी तरह से लागू कर दिया है। यह प्रणाली अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी। नवंबर 2024 तक 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में परीक्षण के बाद इसे लागू किया गया।
- सीपीपीएस से 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। अब पेंशनभोगी किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकते हैं, और भुगतान तत्काल जमा होगा। जनवरी 2025 से पीपीओ ट्रांसफर की आवश्यकता के बिना पेंशन वितरण संभव होगा। इससे पेंशन प्रणाली में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com